

## दि कल्याण जनता सहकारी बँक लि. (मल्टीस्टेट शेड्युल्ड बँक)

### ४९ व्या वार्षिक सर्वसाधारण सभेचे इतिवृत्त

रविवार, दि. 07.08.2022 रोजी बँकेची 49 वी वार्षिक सर्वसाधारण सभा नवरंग बँकवेट हॉल, बैलबाजार, कल्याण (पश्चिम) येथे सकाळी 10.00 वाजता आयोजित करण्यात आली होती.

सकाळी ठीक 10.00 वाजता मा. व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अतुल खिरवडकर यांनी जाहीर केले की, सभेस आवश्यक ती गणसंख्या नाही, सबब सभा अर्धा तास तहकुब केली जात आहे. सदर सभा अर्ध्या तासानंतर म्हणजे ठीक 10.30 वाजता सुरु होईल व त्या सभेस गणसंख्येचे बंधन असणार नाही. त्यानंतर सकाळी ठीक 10.30 वाजता सभेच्या कामकाजास सुरुवात झाली. मा. व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अतुल खिरवडकर यांनी सर्व उपस्थितांचे हार्दिक स्वागत करुन सभेची सूचना वाचून दाखविली. तसेच अहवालातील मुद्रण दोष सांगितले.

सभेच्या सुरुवातीस मा. अध्यक्ष सी. ए. सचिन आंबेकर यांनी सर्व सभासदांचे स्वागत केले व दुखवट्याचा ठराव मांडण्याची विनंती बँकेचे उपाध्यक्ष मा. डॉ. रत्नाकर फाटक यांना केली.

#### ठराव क्र. 1 : दुखवट्याचा ठराव -

अहवाल सालात ज्या मान्यवरांचे व सभासदांचे निधन झाले त्यांना ही सभा श्रदांजली वाहत आहे.

Chief of Defense - बिपिन रावत, त्यांची पत्नी मधुलिका व सैन्य दलातील 11 अधिकारी, गानसम्राज्ञी, भारतरत्न - लता मंगेशकर, आमदार - संजिवनी रायकर, मुंबईचे माजी महापौर - सुधीर जोशी, शिवशाहीर - पद्मविभूषण बळवंत मोरेश्वर तथा बाबासाहेब पुरंदरे, ख्यातनाम कथक कलावंत - पद्मविभूषण पं. बिरजु महाराज, प्रख्यात संतुरवादक - पद्मविभूषण पं. शिवकुमार शर्मा, प्रसिद्ध उद्योजक पद्मविभूषण - राहूल बजाज, ज्येष्ठ समाजसेविका - पद्मश्री सिंधुताई सपकाळ, ज्येष्ठ अभिनेते - रमेश देव, शापुरजी पालनजी उद्योग समुहाचे प्रमुख - पालनजी मिस्त्री, सुप्रसिद्ध लेखक - द. मा. मिरासदार, लेखक व विचारवंत - अनिल अवचट, सुप्रसिद्ध व्हायोलिनवादक - पं. प्रभाकर जोग, सुप्रसिद्ध रंगकर्मी व गायक - रामदास कामत, ज्येष्ठ अभिनेत्री - रेखा कामत, संगीतकार - बप्पी लहरी, ज्येष्ठ गायक - भुपिंदर सिंग, गायिका व अभिनेत्री - किर्ती शिलेदार, शाहिर - लिलाधर हेगडे, कॅम्प्लिनच्या मार्केटिंग प्रमुख - रजनी दांडेकर, ज्येष्ठ समिक्षक - गंगाधर पाटील, वृत्तनिवेदक - प्रदीप भिडे, अभिनेते - अरविंद त्रिवेदी, अभिनेते - घनःश्याम नायक, ख्यातनाम डॉ. - यु. प्रभाकर राव, मेहता पब्लिशिंग हाऊसचे संचालक - सुनील मेहता, "पद्मगंधा प्रकाशन"चे संचालक - अरुण जाखडे, बँकेचे संस्थापक संचालक - अॅड. उमर सैफान शेख, बँकेचे माजी उपाध्यक्ष व संचालक - शंकर नाना गांगुर्डे, शिक्षक आमदार सुरेश भालेराव, अच्युतराव क-हाडकर, पुष्पा गोपाळ भिडे आणि कल्याण शहराचे माजी संघचालक ल. द. तथा शामराव जोशी.

**दिवंगत सभासदांची यादी**

क्र.	सभासद क्रमांक	नाव	मृत्यू दिनांक
1	15574	जोशी सुनिता प्रताप	08.01.2021
2.	12172	सुखसोवले किशोर हरीभाऊ	18.01.2021
3.	59569	पटेल अल्पेश मन्नुभाई	30.01.2021
4.	32355	शिंदे कालीदास हरी	07.02.2021
5.	34961	दुगाडे मंगला शांताराम	11.02.2021
6.	50676	क-हाडकर अच्युत मधूसूदन	16.02.2021
7.	285	तुंगारे खंडेराव गोपाल	02.03.2021
8.	20382	एकलहरे सरला दत्तात्रय	06.03.2021
9.	20232	जोशी रत्नाकर बंडू	08.03.2021
10.	59862	पवार सुरेश किसन	09.03.2021
11.	45765	भारती रमेश कैलास	13.03.2021
12.	30484	अरोटे जालिंदर काशीनाथ	18.03.2021
13.	22224	कापसे वनिता गजानन	18.03.2021
14.	32447	बेहेरे शरद वासूदेव	24.03.2021
15.	45745	अडेकर चंद्रकांत सौदागर	24.03.2021
16.	25215	पाटील नामदेव विठ्ठल	26.03.2021
17.	59341	मुजावर चंद बाबासो	27.03.2021
18.	44066	चव्हाण संगीता प्रदिप	28.03.2021
19.	9760	दिवेकर पांडूरंग भिकाजी	29.03.2021
20.	63403	खेडकर नामदेव शंकर	29.03.2021
21.	8557	भिरुड प्रदिप रघुनाथ	30.03.2021
22.	35843	वानखडे प्रल्हाद आबा	01.04.2021
23.	15480	एकबोटे देवीदास नारायण	03.04.2021
24.	35844	वानखडे शोभा प्रल्हाद	05.04.2021
25.	24647	राऊत अशोक यशवंत	06.04.2021
26.	23382	सरनोबत नामदेव जानू	07.04.2021
27.	129	करंदीकर वसंत माधव	07.04.2021
28.	47346	गायकवाड विलासकुमार एकनाथ	08.04.2021
29.	21092	काराणे सदानंद रामचंद्र	08.04.2021
30.	10591	पाटील तानाजी तुकाराम	10.04.2021
31.	35427	जाधव विनायक जानू	12.04.2021
32.	18989	रानभिसे योसेफ मारुती	13.04.2021
33.	33230	ठाकरे कालू गोपाल	13.04.2021
34.	18872	जोशी रामचंद्र वामन	13.04.2021

35.	2514	कोदारे मंदाकिनी दत्ताराम	14.04.2021
36.	12687	जाधव आशोक दशरथ	14.04.2021
37.	21815	भावसार छबूलाल काळूराम	14.04.2021
38.	17570	चौधरी सुभाष सदाशिव	15.04.2021
39.	31166	पाटे श्रीधर कृष्णाजी	16.04.2021
40.	15764	घागस राजाराम भागोजी	17.04.2021
41.	45428	रामरखियानी अमर नरुमल	17.04.2021
42.	19456	पतंगे प्रभाकर महादेव	18.04.2021
43.	47478	गुप्ता संतोष बद्रिप्रसाद	19.04.2021
44.	29565	कोकणे सखाराम मारुती	19.04.2021
45.	16618	जे. अब्राहम	20.04.2021
46.	55631	जावळे कुसूम पांडूरंग	21.04.2021
47.	30656	बैरोलू निर्मला लक्ष्मण	21.04.2021
48.	4607	देसाई सुनिल नामदेव	22.04.2021
49.	13383	चौधरी गोडाजी दगडू	24.04.2021
50.	31702	रायकवार प्रभात किशनलाल	26.04.2021
51.	37357	देशपांडे शंकर दत्तात्रय	28.04.2021
52.	21677	पाटे सुनंदा श्रीधर	29.04.2021
53.	7237	नायर पनयमपुरथ करुणाकरण	29.04.2021
54.	37137	झुंजारराव जगन्नाथ कोंडाजी	30.04.2021
55.	19081	जोशी विजया वसंत	30.04.2021
56.	57184	चव्हाण मिलिंद मनोहर	01.05.2021
57.	21242	वाघ सुभद्रा विश्वनाथ	03.05.2021
58.	20364	कुसुरकर मालती महादेव	05.05.2021
59.	32817	पाठक सिताराम पांडूरंग	05.05.2021
60.	36368	मगर मधुकर रामदास	08.05.2021
61.	20248	केळकर सुनंदा वामन	08.05.2021
62.	64227	पष्टे दयानंद दत्तात्रय	09.05.2021
63.	2966	अकडकर पद्माकर गणपतराव	12.05.2021
64.	14308	असंगी सुरेश मल्लप्पा	13.05.2021
65.	27946	धानके दिलिप शिवाजी	14.05.2021
66.	48059	कांबळे यशवंत अर्जुन	18.05.2021
67.	3703	सैनी बाखतवारसिंग बक्षीसिंग	18.05.2021
68.	8342	एडके गोविंद लक्ष्मणराव	19.05.2021
69.	1587	भालेराव सुरेश मोरेश्वर	20.05.2021
70.	42926	मारीवाला अशोक धमणलाल	21.05.2021
71.	34417	पाटील महेश नामदेव	22.05.2021

72.	3023	दळवी रमेश भाऊराव	26.05.2021
73.	47468	भिडे प्रभावती त्र्यंबक	26.05.2021
74.	14479	धनगर बारकीबाई कुंडलिक	28.05.2021
75.	14216	सोनावणे अशोक विठ्ठल	30.05.2021
76.	42253	मुलानी अकबर नाजबुदीन	30.05.2021
77.	7658	पाटील बळीराम पांडूरंग	09.06.2021
78.	30770	पाटील यादव गोविंद	11.06.2021
79.	53565	सपकाळे अशोक भिका	13.06.2021
80.	68821	लोखंडे रेवती रमेश	13.06.2021
81.	67905	तांबे अनिल धर्माजी	13.06.2021
82.	24375	पोर्मेडकर कुंदन चंद्रकांत	21.06.2021
83.	37945	पांडे राजेश प्रसाद	24.06.2021
84.	42923	मारीवाला खुशबू दर्शन	29.06.2021
85.	29216	सोळंकी धनाजी मेपा	30.06.2021
86.	3559	कारभारी अभिमन्यू वाळक्या	02.07.2021
87.	31289	रुठे तुकाराम सखाराम	05.07.2021
88.	34852	चौधरी शिवराम धोंडू	06.07.2021
89.	14935	विठ्ठेश्वरन कानन	06.07.2021
90.	37377	वाळमे सुबोध यशवंत	11.07.2021
91.	25691	विद्वांस नरहरी मोरेश्वर	11.07.2021
92.	52344	चौधरी सुजाता शिवराम	12.07.2021
93.	57045	मोराणकर पुष्पा चंद्रकांत	13.07.2021
94.	38256	सोनपाटकी मुग्धा मुकुंद	15.07.2021
95.	26792	यादव रेणूका रामराव	16.07.2021
96.	31898	गायकवाड नारायण पुंडलिक	17.07.2021
97.	35762	सोनावणे शरद भिकू	19.07.2021
98.	45017	जैन अशोकलाल सुरजलाल	19.07.2021
99.	10123	शर्मा मेवाराम मोहनलाल	21.07.2021
100.	21939	पाटील धुडकु लालासिंग	24.07.2021
101.	20748	काळे नंदकुमार गोविंद	25.07.2021
102.	36286	दराडे भाऊराव गोपाल	26.07.2021
103.	6119	बाठे सुर्यकांत धुळाजी	29.07.2021
104.	14440	यादव शंकरप्रसाद राजदेव	31.07.2021
105.	19180	मिश्रा सुशिला राममिलन	01.08.2021
106.	55538	खट्टर जयदेव तेजमल	03.08.2021
107.	50567	केळकर काशीनाथ महादेव	06.08.2021
108.	50321	राणे वासूदेव केशव	08.08.2021

109.	23236	पंडित रजनी रामकृष्ण	09.08.2021
110.	27146	मोरे दामू हरी	09.08.2021
111.	19984	शिंदे राजाराम शिवराम	12.08.2021
112.	31430	गांधी सरोजबेन सुरेंद्र	12.08.2021
113.	46674	पिसाट प्रल्हाद पंढरीनाथ	13.08.2021
114.	5402	कुलकर्णी निलांबरी भास्कर	22.08.2021
115.	2189	साठे सदाशिव दत्तात्रय	30.08.2021
116.	46979	नामजोशी शामल पद्मनाभ	31.08.2021
117.	50925	शिंदे हणमंत भानूदास	08.09.2021
118.	19228	काळे दत्तात्रय गोविंद	12.09.2021
119.	38446	पोतदार प्रियेश सुधिर	12.09.2021
120.	69012	देशमुख अरविंद सिताराम	17.09.2021
121.	10070	इनामदार शरद रामचंद्र	19.09.2021
122.	42810	संत गंगाधर विष्णू	23.09.2021
123.	55024	सिंग जयप्रकाश उदयभान	23.09.2021
124.	2996	बघेले भागीरथ मदराखन	24.09.2021
125.	28394	सूर्यवंशी श्रीकृष्ण भोजराज	26.09.2021
126.	21087	मोटे रंजना जयवंत	01.10.2021
127.	53337	प्रधान सुलभा सुरेंद्रनाथ	03.10.2021
128.	42494	कासार अरुण मारुती	04.10.2021
129.	35129	शेख शहाबूदिन संदू	07.10.2021
130.	32735	जोशी प्रेरणा प्रसाद	07.10.2021
131.	60351	सोनटक्के किशोर दत्तात्रय	11.10.2021
132.	69737	पवार शुभांगी संभाजी	12.10.2021
133.	23611	चौधरी शांताराम बाबूलाल	13.10.2021
134.	20344	तांबे सुनिता श्रीपत	17.10.2021
135.	44568	कुंभार्डे श्यामराव मारुती	17.10.2021
136.	28120	ठोल चंद्रकांत गणपत	23.10.2021
137.	45856	शिंपी अशोक चिंदू	25.10.2021
138.	13515	खाटपे सोपान गेनू	02.11.2021
139.	60060	मिस्त्री संदिप कृष्णा	04.11.2021
140.	58977	श्रीवास राजू लाला	11.11.2021
141.	16474	साळवी उदय रघूनाथ	11.11.2021
142.	53703	पाटील संजय पांडूरंग	16.11.2021
143.	16768	गांगुर्डे शंकर नाना	16.11.2021
144.	12839	जावळे जानकीराम पुरुषोत्तम	17.11.2021
145.	11626	गायकवाड दत्तात्रय दगडू	20.11.2021

146.	9615	भाटे सुरेश अनंत	22.11.2021
147.	23661	चव्हाण अनिल रामचंद्र	24.11.2021
148.	11834	कुलकर्णी सुनिल वसंत	24.11.2021
149.	3975	धमले विजया चंद्रकांत	25.11.2021
150.	33940	पाटील निळकंठ नारायण	30.11.2021
151.	8125	सक्सेना इंद्रजीत रामनारायण	01.12.2021
152.	22762	वडगामा मंगनलाल गोरधनदास	02.12.2021
153.	44948	शिंदे मुरलीधर निवृत्ती	03.12.2021
154.	65679	जाधव दिनेश यशवंत	13.12.2021
155.	22683	पटेल मगनभाई सोमाभाई	13.12.2021
156.	36873	गुरव शाम विठ्ठल	16.12.2021
157.	28815	कदम मंगेश शिवराम	23.12.2021
158.	32442	मेंडकी चंद्रकांत श्रीकृष्ण	26.12.2021
159.	31343	चव्हाण ज्योती दिपक	28.12.2021
160.	46241	जाधव मारुती गणपत	30.12.2021
161.	25692	भावसार शकुंतला दशरथ	30.12.2021
162.	46979	नामजोशी पद्मनाभ राजाराम	01.01.2022
163.	8897	गोडबोले यशवंत वासूदेव	04.01.2022
164.	14719	वेरलीयानी कमलेश टिकमदास	06.01.2022
165.	5543	साळी प्रभाकर बुधो	08.01.2022
166.	61016	निकाळे मीरा केशव	12.01.2022
167.	25110	कुलकर्णी केशव त्र्यंबक	14.01.2022
168.	35544	मुसमाडे गोरखनाथ सिताराम	17.01.2022
169.	34289	भट प्रकाश हरी	17.01.2022
170.	69562	पवार प्रदिप सखाराम	18.01.2022
171.	43043	मांडके जयवंत रघुनाथ	18.01.2022
172.	68937	फडतरे गजानन पांडूरंग	22.01.2022
173.	25653	जोशी हरनारायण डाय्यालाल	23.01.2022
174.	52255	तळवळकर वसंत गोविंद	24.01.2022
175.	76050	यादव नंबी मडस्वामी	28.01.2022
176.	7449	पंडीत सुखदेव भागचंद	03.02.2022
177.	19213	ठाकूर सावळाराम पुरुषोत्तम	04.02.2022
178.	9935	कोळी सुरेश विठ्ठल	05.02.2022
179.	42930	कराळे गणेश बाबूराव	06.02.2022
180.	20421	पेठकर गंगाधर वामन	08.02.2022
181.	25650	प्रजापती सरसा किशोर	12.02.2022
182.	13692	सिंग राम शरण	12.02.2022

183.	53378	कोलते अरविंद काशीराम	20.02.2022
184.	50764	परब अरुण पुरुषोत्तम	23.02.2022
185.	300	वाड अशोक त्र्यंबक	27.02.2022
186.	4991	जाधव अशोक छबू	06.03.2022
187.	53311	नायडू मितेश हरेश	10.03.2022
188.	68830	खवरे रामचंद्र आबा	19.03.2022
189.	18205	उपासनी प्रज्ञा जगदिश	24.03.2022
190.	26973	भिडे पुष्पा गोपाळ	29.03.2022
191.	54163	धांडे डोंगर धनजी	30.03.2022
192.	31068	पाटे रामकृष्ण गंगाधर	30.03.2022
193.	35099	दुर्वे संध्या नंदकिशोर	02.04.2022
194.	34561	क्षीरसागर वनिता प्रभाकर	02.04.2022
195.	20121	काळे मालती लक्ष्मण	06.04.2022
196.	46501	शर्मा ब्रजमोहन ज्वालाप्रसाद	26.04.2022
197.	10603	गोरे शशिकांत पुंडलिक	30.04.2022
198.	21555	सैय्यद सरदार अहमद सज्जादी	02.05.2022
199.	43988	लटके संजय प्रल्हाद	04.05.2022
200.	22481	शेख कादिर युसूफ	05.05.2022
201.	57443	कोलते कमल पंडीत	26.05.2022

यानंतर डॉ. फाटक यांनी सांगितले की राष्ट्राच्या अमृत महोत्सवी वर्षानिमित्त सभेस उपस्थित असलेल्या भागधारकांना "हर घर तिरंगा" अभियानांतर्गत ध्वज देण्यात येत आहेत. हे राष्ट्रध्वज आपण पोस्ट खात्याकडून घेतले आहेत. त्यांच्या सहकार्याबद्दल बँक त्यांची आभारी आहे. तसेच ध्वजाचा सन्मान राखण्याबाबतची छोटी ध्वनिचित्रफित सभेत दाखवण्यात आली.

त्यानंतर मा. अध्यक्षांनी बँकेच्या प्रगतीचा आढावा दृक्श्राव्य माध्यमातून सभेसमोर सादर केला.

**विषय :** संचालक मंडळाने सादर केलेल्या दि. 31.03.2022 रोजी संपलेल्या आर्थिक वर्षाच्या अहवालाची नोंद घेणे. तसेच सन 2022-23 च्या अंदाजपत्रकाची नोंद घेणे.

बँकेचे मा. अध्यक्ष सी. ए. सचिन आंबेकर यांनी 49 व्या वार्षिक सर्वसाधारण सभेत सभासदांचे स्वागत करताना सांगितले की "कोरोना" च्या प्रादुर्भावामुळे दोन वर्षांच्या कालावधीनंतर वार्षिक सर्वसाधारण सभेत आपण भेटत आहोत. पुढे सभेस त्यांनी सांगितले की कोरोना काळात बँकेच्या सर्व शाखा व सर्व कार्यालये शासकीय नियमांचे पालन करून ग्राहकांना सेवा देत होत्या. या काळात सर्व ग्राहक खातेदार व सभासद यांनी बँकेस केलेल्या सहकार्याबद्दल मा. अध्यक्षांनी त्यांचे आभार मानले. तसेच या कठीण कालावधीत बँकेच्या सर्व कर्मचा-यांनी केलेल्या कामाबद्दल त्यांचे सर्व सभासदांनी टाळ्या वाजवून कौतुक केले.

कोरोनाचा काळ हा शतकातून येणा-या आपत्तीपैकी एक होता. कोरोनाचा संपूर्ण जगाच्या आर्थिक व्यवस्थेवर परिणाम झाला. अनेक देशांच्या आर्थिक व्यवस्था अजूनही अडचणीत आहेत. पर्यटनावर अवलंबून असणा-या देशांच्या आर्थिक व्यवस्था जास्त अडचणीत आहेत. शेजारील श्रीलंका देशात "आणीबाणी" जाहीर करण्याची वेळ आली आहे. आर्थिक दिवाळखोरीच्या उंबरठ्यावर हा देश उभा आहे.

अफगाणिस्तानात "तालिबानी" सरकार आल्यावर, त्यांना मिळणारी मदत बंद झाली. अफगाणिस्तान आणि पाकिस्तान या दोन देशांच्याही आर्थिक व्यवस्था कोलमडल्या आहेत. कोरोना काळात बँकिंग क्षेत्र व वाहन क्षेत्रावर परिणाम होण्यास एक कारण म्हणजे "मेमरी चीप" चा तुटवडा. यामुळे डेबीट कार्ड मिळण्यास उशीर होत आहे. या चीपची उपलब्धता अजूनही पूर्ववत झालेली नाही.

युक्रेन व रशिया यांच्यात सुरु झालेल्या युद्धामुळे तेलाच्या किंमती जागतिक स्तरावर वाढल्या. तसेच अन्नधान्याच्या किंमतीही वाढल्या. आपल्याकडेही पेट्रोल, डिझेल, गॅस व जीवनावश्यक वस्तूंच्या किंमतीत वाढ झाली आहे. नजीकच्या काळात चीन व तैवान हे दोन देश युद्धाच्या उंबरठ्यावर उभे आहेत. जर युद्ध सुरु झाले तर त्याचा जागतिक अर्थव्यवस्थेवर निश्चितच परिणाम होईल.

भारताच्या अर्थव्यवस्थेवरही जगातल्या परिस्थितीचा परिणाम झालेला दिसत आहे. मुख्यत्वे परकीय चलनसाठ्यावर याचा परिणाम झाला आहे. यावर रिझर्व्ह बँकेने एक धाडसी धोरण जाहीर केले. "आंतरराष्ट्रीय बाजारात" आयात - निर्यातीसाठी US डॉलर हे प्रमाणित चलन आहे. रिझर्व्ह बँकेने निर्णय घेतला की भारतीय रुपयाचा वापर "आंतरराष्ट्रीय" व्यापारासाठी करावा. याची सुखात भारताने रशियाबरोबर केली. आता इराणबरोबरही असा व्यापार सुरु केला आहे. अन्य अनेक देशांनी यास अनुकूलता दर्शवली आहे. यात भारत यशस्वी झाला तर जागतिक स्तरावर US डॉलरचे महत्व कमी होईल.

दि. 05.08.2022 रोजी रिझर्व्ह बँकेच्या "Monitory Policy" चा review आला. त्यात सन 2022-23 साठी भारताचा GDP दर हा 7.2% इतका तर महागाई निर्देशांक 6.7% इतका असेल असा अंदाज व्यक्त केला आहे.

त्यानंतर त्यांनी मागील आर्थिक वर्षात बँकिंग क्षेत्रात झालेल्या घडामोडींचा आढावा घेतला. दोन सार्वजनिक बँका आणि एक जनरल इन्शुरन्स कंपनी यांच्या खाजगी करणाचा प्रस्ताव सरकारने ठेवला आहे. परंतु अद्याप यावर कोणतीही कारवाई झालेली नाही.

HDFC बँकेत, HDFC Corporation च्या विलनीकरणास रिझर्व्ह बँकेने मंजूरी दिली आहे. पंजाब अँड महाराष्ट्र को ऑप बँक ही सहकार क्षेत्रातील अग्रगण्य बँक होती. तिचे Unity Small Finance बँकेमध्ये जानेवारी, 2022 मध्ये विलनीकरण झाले. ज्यांची PMC बँकेकडे कर्ज, ठेवी तसेच Bill Discounting Under LC इ. व्यवहार होते ते आता Unity Small Finance बँकेकडे वर्ग होतील. आपल्या ही बँकेचे PMC बँकेबरोबर 16.00 कोटीचे LCBD exposure होते. ते आपण NPA वर्ग केले होते. एप्रिल 2020 मध्ये रिझर्व्ह बँकेने याची Provision दरवर्षी 20% याप्रमाणे



पुढील पाच वर्षात करण्याचे निर्देश सर्व बँकांना दिले होते. LCBD रु 16.00 कोटीपैकी 50% रक्कम आपण आधीच वसूल केली आहे. उर्वरित रक्कम पंजाब अँड महाराष्ट्र को ऑप बँकेच्या Unity Small Finance बँकेमध्ये विलीनीकरणानंतर ताळेबंदात Other Assets मध्ये दर्शविली आहे.

सरकार मल्टीस्टेट सहकारी कायद्यात सुधारणा / दुरुस्ती करत आहे. हे बिल संसदेत मांडण्यात आले. याबाबत सूचना मागविण्यात आल्या होत्या. आपल्या बँकेनेही काही सूचना / बदल सुचवले आहेत. उदा. "Special Recovery Officer" ही तरतूद महाराष्ट्र राज्य सहकारी कायद्यात आहे तशी तरतूद सध्याच्या मल्टीस्टेट सहकारी कायद्यात नाही. ही तरतूद मल्टीस्टेट सहकारी कायद्यात असावी. त्यामुळे कर्जवसुलीसाठी त्याचा उपयोग होईल.

देशात बँकिंग क्षेत्रात जे बदल झाले त्यात सप्टेंबर 2020 मध्ये बँकिंग रेग्युलेशन अँक्ट मध्ये बदल झाले. यानुसार रिझर्व्ह बँकेने कमर्शियल बँका, प्रायव्हेट बँकांसारखेच अर्बन को-ऑपरेटिव्ह बँकांचे रेग्युलेशन सुरु केले आहे. त्यात त्यांचा भर हा Risk Analysis वर आहे. यानुसार रिझर्व्ह बँकेचे नियंत्रण सुरु झाले आहे.

दि. 30.08.2021 ला Presentation & Preparation of financial statements व Disclosure यासंदर्भात Master Directions रिझर्व्ह बँकेने दिले आहेत. हे परिपत्रक कमर्शियल, प्रायव्हेट व नागरी अर्बन सहकारी बँकांना लागू केले आहे. यासंदर्भात संचालक श्री. हेमंत दरगोडे अधिक माहिती देतील असे मा. अध्यक्षानी सांगितले.

सप्टेंबर, 2020 मध्ये बँकिंग रेग्युलेशन अँक्ट मधील बदल सहकारी बँकांमध्ये कसे लागू करता येतील, या बाबतचा अहवाल एन्. एस्. विश्वनाथन कमिटीने जुलै 2022 मध्ये सादर केला. त्यानुसार काही तरतूदी रिझर्व्ह बँकेने स्वीकारल्या.त्यानुसार सहकारी बँकांचे वर्गीकरण पुढील चार प्रकारात होणार आहे.

1. रु 100.00 कोटीपर्यंत ठेवी -Tier I
2. रु 100.00 कोटीचे वर ते 1000.00 कोटी पर्यंत ठेवी -Tier II
3. रु 1000.00 कोटीचे वर ते 10000.00 कोटी पर्यंत ठेवी - Tier III
4. रु 10000.00 कोटीच्या वर ठेवी. - Tier IV

यानुसार आपली बँक तिस-या वर्गात येते. कमिटीच्या अहवालातील तरतूदीनुसार

1. तिस-या वर्गातील बँकांचे संचालन हे Small Finance बँकांसारखे होईल. त्यामध्ये दिलेले निकष जर या बँका पूर्ण करीत असतील तर अशा बँकांना जेवढ्या शाखा आहेत त्याच्या 10% किंवा जास्तीत जास्त 5 शाखा दरवर्षी उघडण्यास परवानगी मिळेल.
2. विश्वनाथन कमिटीने पूर्वी दिलेल्या अहवालात CRAR 15% असण्याची शिफारस केली होती. परंतु आता मार्च 2026 पर्यंत CRAR 12 % असणे गरजेचे आहे.

3. आपली गृहकर्ज देण्याची मर्यादा ही रु 70.00 लाख होती. परंतु आता ही मर्यादा रु 140.00 लाखांपर्यंत झाली आहे.

आपल्या बँकेपुढील आव्हाने म्हणजे मार्च 2024 पर्यंत बँकेचा जो Credit Portfolio आहे त्यापैकी 50% Credit Portfolio हा Retail Loan म्हणजेच छोट्या कर्जातर्गत असणे गरजेचे आहे. यामध्ये Tier I Capital च्या 0.2% किंवा रु 25.00 लाख यापैकी जे जास्त ती मर्यादा लागू होईल. मार्च 2022 ला बँकेचा Retail Credit Portfolio 33-34% इतका आहे. मार्च 2022 ला बँकेची अग्रक्रम कर्जे एकूण कर्जाच्या 50%, मार्च 2023 ला 60% व मार्च 2024 ला 75% असणे गरजेचे आहे. मार्च 2022 ला बँकेच्या अग्रक्रम कर्जाचे प्रमाण 52% इतके आहे. दोन्ही गोष्टींवर बँक मोठ्या प्रमाणावर काम करत आहे. या निकषांमुळे कर्जे मोठ्या प्रमाणात वाढलेली दिसत नाहीत. जानेवारी 2022 पासून गुंतवणूक बाजारात घसरण होत आहे. यामुळे बँकेच्या नफा - तोटा पत्रकावर परिणाम होतो. गुंतवणूकीच्या खरेदी विक्री व्यवहारात नफा मिळवता येत नाही. दुसरं म्हणजे SLR साठी गव्हर्नमेंट सेक्युरिटीजमध्ये गुंतवणूक करणे गरजेचे असते. अशा गुंतवणूकीवर घसारा आला तर नफा - तोटा खाती डेबिट टाकावा लागतो. याचा नफ्यावर निश्चित परिणाम होतो.

बँकांची उत्पन्नाची दोन प्रमुख साधने म्हणजे कर्जावरील व्याज व गुंतवणूकीवरील व्याज या दोन्ही बाबीत सध्या आव्हाने आहेत.

यानंतर बँकेच्या अहवाल वर्षातील आर्थिक परिस्थितीचा आढावा सभेपुढे सादर केला. अहवाल वर्षात भागभांडवल रु. 103.75 कोटी इतके झाले आहे. मार्च 2021 ला भागभांडवल रु 108.24 कोटी होते. कोरोना काळात काही सभासदांनी वैद्यकीय उपचार व आर्थिक अडचणीमुळे भागभांडवल परत घेतले. अहवाल वर्षात सभासद संख्ये मध्ये 1936 सभासदांची वाढ होऊन 60085 इतकी झाली.

अहवाल वर्षामध्ये बँकेच्या ठेवी गतवर्षीच्या रु 3187.76 कोटी वरून नाममात्र वाढून रु 3206.24 कोटीपर्यंत झाल्या आहेत. तर कर्जामध्ये साधारण रु . 19 कोटींची घट होऊन, कर्जे रु 1962.17 कोटी झाली आहेत. एकत्रित व्यवसायात रु 10 कोटींची घट होऊन, एकत्रित व्यवसाय रु 5168.41 झाला आहे. कोरोना संकटामुळे ठेवी व कर्ज व्यवहार यांच्या वाढीची गती मंदावली होती. तरी ठेवीमधील झालेली वाढ हे ग्राहकांच्या अढळ विश्वासाचे द्योतक आहे. प्रति कर्मचारी उत्पादकता अहवाल वर्षात रु 10.52 कोटी झाली आहे. निव्वळ नफा रु 19.48 कोटी झाला आहे. भांडवल पर्याप्ततेचे प्रमाण भारतीय रिझर्व्ह बँकेच्या निकषांनुसार किमान 9% असणे आवश्यक आहे. मार्च 2022 अखेर आपल्या बँकेचे हे प्रमाण 11.75% आहे. बँकेच्या सक्षमतेचे, सुदृढतेचे व आर्थिक स्थैर्याचे हे द्योतक आहे. बँकेचा स्वनिधी रु 204.87 कोटी इतका आहे. आर्थिक वर्ष 2021-22 मधील ढोबळ अनुत्पादित कर्जे 5.13% व निव्वळ अनुत्पादित कर्जे 3.27 % इतकी आहेत.

सध्याच्या आर्थिक पार्श्वभूमीवर हे आकडे समाधानकरक असल्याचे अध्यक्षांनी सांगितले.

बँकेचे वैधानिक लेखापरीक्षण मे. वैशंपायन अँन्ड पाध्ये ह्यांनी केले असून सन 2021-22 या आर्थिक वर्षाकरिता बँकेला "अ" वर्ग दिला आहे.

बँक विमा व्यवसायात कार्यरत आहे. बँक सन 2011 पासून जीवन विमासाठी कोटक महिंद्र लाईफ इन्शुरन्स व 2014 पासून जनरल इन्शुरन्ससाठी दि न्यू इंडिया अँशुरन्स कंपनी यांच्यासाठी कॉर्पोरेट एजेंट म्हणून काम करत आहे. जीवन विम्यापोटी 1010विमा पॉलिसीतून रु 360.45 लाख रकमेचे विमा हप्ते आणि इतर सर्वसाधारण विम्यापोटी 1210 पॉलिसीतून रु. 56.25 लाख इतकी विमा प्रिमियम रक्कम बँकेने अहवाल वर्षात जमा केली आहे. या दोन्ही प्रकारच्या विमा व्यवसायातून बँकेने रु70.04 लाख इतकी रक्कम कमिशनपोटी मिळविली. तसेच सरकारने प्रधानमंत्री सुरक्षा विमा योजना (PMSBY) व प्रधानमंत्री जीवन ज्योती विमा योजना (PMJJY) सुरु केल्या आहेत. त्या अंतर्गत बँकेने पुढीलप्रमाणे व्यवसाय केला.

विमा योजना	संख्या	रक्कम
PMJJY	4602	13.02
PMSBY	9616	1.15

या विमा योजनांच्या हप्त्यांमध्ये सरकारने वाढ केली असून प्रधानमंत्री जीवन ज्योती विमा योजना याचा हप्ता रु 436 /- झाला आहे तर प्रधानमंत्री सुरक्षा विमा योजना याचा हप्ता रु 20 /- झाला आहे.

त्यामुळे यापुढे विमा हप्ते नवीन दराने डेबिट केले जातील.

यानंतर अहवाल वर्षात बँकेला जे पुरस्कार मिळाले त्याबाबतची माहिती मा. अध्यक्षांनी सभेस दिली. बँको मासिकातर्फे सन 2020-21 करिता मोठ्या सहकारी बँकांच्या विभागात "Best Bank" प्रथम पुरस्कार प्राप्त झाला. तसेच **FCBA** यांच्याकडून **Best COVID Relief Package, Fraud Control Initiative, Best Risk Management Initiative, Cyber Security Education Campaign** याबाबत पुरस्कार प्राप्त झाले.

बँक सामाजिक बांधिलकी जपत "विद्यार्थी प्रविण्य पुरस्कार" व "धर्मादाय निधी" वितरण करत असते. कोरोना काळात मोठे कार्यक्रम करता आले नाहीत. आता नियमांचे बंधन नसेल तर या निधी वितरणाचे कार्यक्रम करता येतील.

यानंतर सन 2022-23 या आर्थिक वर्षासाठीचे अंदाजपत्रक सभेपुढे मांडले.

	2021-22 प्रत्यक्ष	2022-23 अंदाजित
ढेवी	3206	3500
कर्ज	1962	2250
नफा	19.48	22.00

आर्थिक विवेचनानंतर मा. अध्यक्षांनी सभेस सांगितले की मार्च 2017 ला बँकेस "मल्टीस्टेट बँकेचा" दर्जा मिळाला. बँकेने रिझर्व्ह बँकेकडे "गुजरात" राज्यात सूरत येथे शाखा उघडण्यासाठी परवानगी मागितली होती. यावर्षी "सुरत" येथे शाखा उघडण्यास रिझर्व्ह बँकेने परवानगी दिली आहे. दि. 23.12.2022 ला बँक "सुवर्ण महोत्सवी" वर्षात पदार्पण करत आहे. तत्पूर्वी ही शाखा सुरु होईल असे सांगितले.

त्यानंतर सभासद श्री. अरुण शिंपी यांनी सुरत येथे शाखा उघडण्यात येणार असल्याबद्दल मा. अध्यक्ष व सर्व संचालक मंडळाचे गुलाबपुष्प देऊन अभिनंदन केले.

श्री. अरुण शिंपी यांनी ठेवीवरील विमा संरक्षणाबाबत प्रश्न उपस्थित केला. त्यास उत्तर देताना मा. अध्यक्षांनी सांगितले की पूर्वी खातेदाराच्या रु 1.00 लाखापर्यंतच्या ठेवींसाठी DICGC अंतर्गत विमा संरक्षण मिळत होते, ती मर्यादा आता रु 5.00 लाख इतकी झाली आहे. त्यानुसार प्रत्येक ग्राहकाची ₹ 5 लाखांपर्यंतची ठेव सुरक्षित राहिल. DICGC चा विमा हप्ता बँक मार्च व सप्टेंबरमध्ये भरते.

यानंतर सभासद श्री. रमेश हरी कोठावदे सभासद क्र. 49719 यांनी वार्षिक अहवालासंदर्भात सभेस सांगितले की, सन 2019-20, 2020-21 व 2021-22 मध्ये कोरोनाचे सावट होते. या कोरोना काळातही बँकेत आर्थिक डोलारा चांगल्या प्रकारे सांभाळला आहे. त्याबद्दल सर्व सभासदांतर्फे संचालक मंडळाचे त्यांनी कौतुक केले व पुढील सूचना केल्या.

1. अनुत्पादित कर्जाबाबत मा. अध्यक्ष यांनी खुलासा केला आहे. परंतु दरवर्षी ढोबळ अनुत्पादित कर्जे व निव्वळ अनुत्पादित कर्जात थोडी वाढ होत आहे. वाढ कशी रोखता येईल, याचा विचार मा. संचालक मंडळाने करावा व त्यावर जास्तीत जास्त नियंत्रण आणावे
2. सन 2020-21 मध्ये बँकेने ₹ 30.61 कोटींची खाती निर्लेखित सन 2021-22 मध्ये बँकेने ₹ 32.27 कोटी एवढ्या मोठ्या प्रमाणावर कर्जखाती निर्लेखित करणे योग्य नाही. नफा क्षमतेवर परिणाम होत नाही. परंतु याचा पुढे काय परिणाम होईल याचा विचार व्हावा तसेच निर्लेखित खात्यांवर नियंत्रण असावे कारण या खात्यांबाबतची माहिती अहवालात नसते.

आतापर्यंत किती खाती निर्लेखित केली ती संख्या व रक्कम तसेच त्यातील वसुली व शिल्लक याबाबतचा तपशील अहवालात द्यावा म्हणजे सभासदांना त्याची माहिती उपलब्ध होईल.

श्री. कोठावदे यांच्या सूचनांवर विचार करण्याचे आश्वासन मा. अध्यक्षांनी दिले. तसेच निर्लेखित खात्यांबद्दल जी माहिती देता येते ती अहवालात दिली असल्याचे सांगितले. परंतु श्री. कोठावदे यांनी निर्लेखनाचे आकडे सांगितले, त्यामध्ये फरक आहे. गेल्यावर्षी ₹ 19.29 कोटी रक्कमेची खाती निर्लेखित केली आहेत. या वर्षी 123 खाती व रक्कम ₹ 18.24 कोटी निर्लेखित केली आहेत.

निर्लेखित केलेल्या खात्यांमधूनही वसूली बँक करत असते. सन 2021-22 मध्ये ₹ 60.00 लाखाची वसूली झाली आहे. एप्रिल 2022 पासून ₹ 95.00 लाखाची वसूली झाली आहे. दोन वर्षात राज्य सरकारच्या सूचनांनुसार कायदेशीर कारवाई करता येत नव्हती त्याचाही वसुलीवर परिणाम झालेला दिसतो. निर्लेखनामुळे कोणालाही सूट मिळत नाही. फक्त ताळेबंद स्वच्छ करण्याचा हा एक पर्याय असल्याचे मा. अध्यक्षांनी सांगितले.

केंद्रीय राज्यमंत्री श्री. भागवत कराड यांनी दिलेल्या माहितीनुसार गेल्या 5 वर्षात ₹ 10.00 लाख कोटींचे निर्लेखन बँकिंग क्षेत्रात झाले आहे.

निर्लेखनामुळे ढोबळ अनुत्पादित कर्जाचे प्रमाण कमी होते व Tax Benefit मिळतो. यावर्षी बँकेला ₹ 4 कोटीपेक्षा जास्त Tax Benefit मिळाला आहे. तसेच ज्यावेळी निर्लेखित खात्यांमध्ये रक्कम वसूल होते, त्यावर्षी त्यावरील आयकर बँक भरते.

**ठराव क्र. 2 :** संचालक मंडळाने सादर केलेल्या दि. 31.03.2022 रोजी संपलेल्या आर्थिक वर्षाचा अहवाल मा. अध्यक्ष सी. ए. सचिन आंबेकर यांनी सभेपुढे वाचून दाखविला. त्याचबरोबर पुढील वर्षाचे अंदाजपत्रक व नवीन व्यावसायिक उद्दिष्टे सभेपुढे मांडली. त्याची ही सर्वसाधारण सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : नाव : श्री. अजय पुरुषोत्तम मनोरे सभासद क्र. : 47052  
अनुमोदक : नाव : श्री. योगेश उपेंद्र पाटे सभासद क्र.: 15308  
ठराव सर्वानुमते मंजूर.

यानंतर सभासद श्री. अरुण शिंपी यांनी मागील वर्षीच्या इतिवृत्तात दुखवट्याच्या ठरावात मा. केंद्रीय मंत्री व राज्यपाल श्री. जगमोहन यांचे नाव आगमोहन असे छापले गेल्याचे सांगितले.

मा. अध्यक्षांनी श्री. शिंपी यांनी सांगितलेल्या मुद्द्याची नोंद घेतल्याचे सांगितले.

पुढील ठराव मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षांनी मा. संचालक श्री. हेमंत दरगोडे यांना सांगितले.

**विषय:** वैधानिक लेखापरीक्षकांनी तपासलेला दि. 31.03.2022 रोजीचा ताळेबंद, नफा-तोटा पत्रक आणि लेखापरीक्षण अहवाल स्वीकृत करणे. तसेच मागील वर्षाच्या वैधानिक लेखापरीक्षणाच्या दोषदुरुस्ती अहवालाची नोंद घेणे.

मा. संचालक श्री. हेमंत दरगोडे यांनी विषय सुरु करण्यापूर्वी बँकेचे सभासद श्री. अरुण शिंपी यांनी संचालक मंडळाचे अभिनंदन केले त्याबद्दल संचालक मंडळाच्या वतीने आभार मानले.

बँक सुवर्णमहोत्सवाच्या उंबरठ्यावर उभी असताना संचालक मंडळाच्या प्रयत्नास यश आले व गुजरात येथे सुरतमध्ये व्यवसाय करण्याची संधी मिळत आहे. याचा आनंद व अभिमान सर्व आजी - माजी संचालक, सभासद, ग्राहक व कर्मचारी यांना आहे. हा आनंद संस्थापक संचालकांमुळे मिळाला असल्याचे श्री. दरगोडे यांनी सांगितले. त्यांनी मुळ विचार धारेचे रोपटे 49 वर्षांपूर्वी लावले होते. त्यांचे सर्व सभासदांनी टाळ्या वाजवून अभिनंदन केले. अनेक संचालक मंडळांनी बँकेस पुढे नेऊन रोपट्याचा वटवृक्ष केला आहे आणि आता ही जबाबदारी

विद्यमान संचालक मंडळावर सोपवली आहे. सर्व सभासदांचा सर्व संचालक मंडळावर विश्वास व खंबीर पाठिंबा आहे. तसेच कर्मचारी वर्गाचेही यात खूप मोठे योगदान आहे. यानंतर विद्यमान संचालक मंडळाने माजी संचालक व सभासदांना उभे राहून मानवंदना दिली. हा सभासदांचा सन्मान असल्याने श्री. दरगोडे यांनी सांगितले.

पुढे विषय मांडताना श्री. दरगोडे यांनी सांगितले की बँक रिझर्व्ह बँकेच्या नियमांचे तंतोतंत पालन करते. त्याचाच भाग म्हणजे Preparation & Presentation of financial statements and disclosure हा आहे. याबाबतचे परिपत्रक रिझर्व्ह बँकेने दि. 30.08.2021 रोजी जारी केले. त्यानुसार, या वर्षी अहवालात काही नवीन Disclosures दिली आहेत. रिझर्व्ह बँकेने अर्बन सहकारी बँकांना कमर्शियल बँकांप्रमाणेच नियम लावण्यास सुरुवात केली आहे.

पुर्वी T Format मध्ये आर्थिक अहवाल प्रसिद्ध होत होते. आता नवीन नियमानुसार Vertical Format मध्ये Presentation करावे लागत आहे. Presentation साठी अर्बन को-ऑप बँकांना सूट दिली आहे. परंतु भविष्यात Vertical Format अर्बन को-ऑप बँकांना लागू होण्याची शक्यता आहे. या संदर्भातले विस्तृत विवेचन श्री. दरगोडे यांनी सभेत केले.

Reserve चे Inter Transfer करण्यासाठी रिझर्व्ह बँकेची पूर्व परवानगी घेणे गरजेचे असल्याचे सांगितले. त्यासंदर्भात Note to Accounts मध्ये Disclosure द्यावयाचे आहे. Assets & Liabilities चे वर्गीकरण करावयाचे आहे, Fraud reporting, Investment portfolio चे Compliance आणि Composition द्यावयाचे आहे, कर्जखात्यांचे Sector wise वर्गीकरण द्यावयाचे आहे. ही माहिती आपल्याकडे असते परंतु ती आता Disclosure मध्ये नमूद करावयाची आहे. या योगे रिझर्व्ह बँक पारदर्शकता आणण्याचा प्रयत्न करत आहे.

मागील आर्थिक वर्षाचा अहवाल मा. अध्यक्षानी सभेपुढे सविस्तर सादर केला. त्यामुळे पुन्हा तेच मुद्दे मांडत नसल्याचे, त्यांनी सांगितले. अहवालासंदर्भातील प्रश्न 31 जुलै पूर्वी लेखी पाठवावेत असं आम्हांत सभासदांना केले होते. पाच सभासदांनी काही प्रश्न विचारले त्यांना लेखी स्वस्मात उत्तरे दिली. काही सदस्यांना मुख्य कार्यालयात बोलावून त्यांच्या प्रश्नाचे निराकरण केले. काही सभासदांनी सूचना केल्या आहेत त्यांचेही बँकेने स्वागत केले आहे.

त्यानंतर त्यांनी नफा - तोटा खात्यातील उत्पन्नाचे स्त्रोत व खर्च याबाबतचे विश्लेषण सभेत सादर केले. कर्जावरील व्याज, गुंतवणूकीवरील व्याज, ठेवीवरील व्याज, कर्जावरील व्याज, विमा व्यवसाय, रोखे व्यवहारातील नफा, वेतन, कार्यालय भाडे व कर, विमा खर्च, दुरुस्ती देखभाल खर्च, छपाई स्टेशनरी, स्थावर मालमत्तेवरील घसारा, आयकर इत्यादी बाबींवर तौलनिक आढावा सादर केला.

पुढे श्री. दरगोडे यांनी मागील वर्षाच्या लेखापरीक्षणातील त्रुटी व त्याचे निराकरण सभेपुढे मांडले. काही कर्जखात्यात पुढीलप्रमाणे त्रुटी आढळल्या. नुतनीकरण न केलेल्या Insurance Policies, CA यांचेकडून Statutory Dues Clearance Certificate येणे बाकी आहे, गृहकर्जखात्यातील Share Certificate येणे बाकी आहे, वाहन कर्जाचे संदर्भात RC Book, गृहकर्जामध्ये Completion Certificate अशा प्रकारच्या त्रुटींची पूर्तता बँकेने केली आहे.

त्याचा दोषदुरुस्ती अहवाल वैधानिक लेखापरिक्षक मे. वैशंपायन अँड पाध्ये यांचेकडे पाठवला आहे. लेखापरीक्षणाचा अहवाल बँकेस दि. 28.08.2021 रोजी प्राप्त झाला व दोषदुरुस्ती अहवाल दि. 20.11.2021 रोजी पाठविला व Central Registrar of Co-op Societies यांचेकडे दि. 27.11.2021 रोजी पाठविण्यात आल्याचे सांगितले.

श्री. दरगोडे यांनी बँकेच्या सुवर्णमहोत्सवी व स्वातंत्र्याच्या अमृतमहोत्सवी वर्षाच्या शुभेच्छा दिल्या.

श्री. अरुण शिंपी यांनी मुख्य कार्यालयातील तळमजल्यावरील जागेसंदर्भात बँक निरनिराळ्या कोर्टात गेली. या संदर्भातील खर्चाची नोंद कुठे केली ते विचारले. श्री. दरगोडे यांनी Legal Expenses मध्ये नमूद केले असल्याचे सांगितले. यावर श्री. शिंपी यांनी खर्चाची रक्कम किती ते विचारले. या विषयावर उत्तर देताना अध्यक्षानी सांगितले की हा विषय न्यायप्रविष्ट असल्याने या संदर्भातील माहिती जाहीरपणे देता येणार नाही. बँकेच्या मुख्य कार्यालय किंवा शाखेच्या जागेच्या संदर्भातला जो कायदेशीर कारवाईचा खर्च असतो तो त्या वर्षी नफा-तोटा खाती आलेला असतो. ज्यावेळी हे विषय न्यायप्रविष्ट नसतील त्यावेळी त्याची माहिती देण्यात येईल. त्यावर श्री. शिंपी यांनी विनाकरण कोर्टकचेरी केली जाते. सुप्रिम कोर्टच्या निर्णयानुसार, तळमजल्यावरील बांधकाम तोडले तर हा विषय न्यायप्रविष्ट कसा असे विचारले ? लोकांना सांगण्यासाठी न्याय प्रविष्ट आहे का ? यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षानी सभेस सांगितले की श्री. अरुण शिंपी सभेस जी माहिती देत आहेत ती पूर्णपणे बरोबर नाही. यावर शिंपींनी त्यांच्याकडे सर्व पेपर असल्याचे सभेस सांगितले बँक लोकांची दिशाभूल करत आहे का ?

यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षानी सभेस सांगितले की श्री. शिंपी जो मुद्दा उपस्थित करत आहेत ते त्यांचे वैयक्तिक मत आहे. पुन्हा एकदा सर्व सभासदांना मा. अध्यक्षानी सांगितले की न्यायप्रविष्ट विषयाची जाहीरपणे माहिती देता येत नाही. जेव्हा विषय न्यायप्रविष्ट नसेल तेव्हा सभेस माहिती दिली जाईल.

यानंतर सभासद श्री. भास्कर भावसार 21698 यांनी भागभांडवल रु 4.00 कोटीने कमी झाले आहे तर नवीन भागभांडवलासाठी बँकेने तरतूद करावी. तसेच कोरोना काळात बँकेने लाभांश दिला नाही. रिझर्व्ह बँकेला सर्व सभासदांच्या वतीने पत्र पाठवून काही प्रमाणात लाभांश मिळावा यासाठी बँकेने प्रयत्न करावेत.

मा. संचालक श्री. दरगोडे यांनी श्री. भावसार यांनी केलेल्या सूचनांवर विचार होईल असे सांगितले.

**ठराव क्र. 3 :** वैधानिक लेखापरीक्षक मे. वैशंपायन अँड पाध्ये यांनी दि. 31.03.2022 रोजीचा तपासलेला ताळेबंद, नफातोटा पत्रक आणि लेखापरीक्षण अहवाल **मा. संचालक श्री. हेमंत दरगोडे** यांनी सभेपुढे मांडला व समजावून सांगितला त्यास ही सभा स्वीकृत करित आहे. तसेच मागील वर्षाच्या वैधानिक लेखापरीक्षणाचा दोषदुरुस्ती अहवाल **मा. संचालक श्री. हेमंत दरगोडे** यांनी सभेपुढे सादर केला. त्याची ही सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : श्री. प्रकाश विश्वनाथ रत्नपारखी

सभासद क्र. 13632

अनुमोदक : श्री. रघुनाथ गंगाधर गांगुर्डे

सभासद क्र. 31957

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

यानंतर एका सभासदाने सूचना केली की लेखापरीक्षण अहवालातील दोष गोपनीयतेचा भंग न होता व बँकेचा त्याबाबतचा दोषदुस्ती अहवाल सभेपुढे मांडावा. मा. अध्यक्षांनी त्यांच्या सूचनेचा विचार होईल असे सांगितले.

श्री. अरुण शिंपी यांनी लेखापरीक्षण अहवालात RC Book नसते हे ज्या गाड्यांसंदर्भात लिहिले आहे त्या गाड्या बँकेच्या आहेत की कर्जदारांच्या ते स्पष्ट करावे ?

तसेच Statutory Dues Clearance Certificate, Stock Statement, तारण मालमत्तेचा विमा नसणे याची पूर्तता झाली आहे का ? ते स्पष्ट करावे.

त्यांच्या प्रशास उत्तर देताना मा. अध्यक्षांनी सांगितले की वाहन कर्ज देताना वाहन रजिस्टर झाल्यावर RC Book मिळण्यास काही कालावधी लागतो. RC Book मिळाल्यावर बँकेच्या बोजाची नोंद करतो. त्यामुळे लेखापरीक्षणात थोड्या कालावधीसाठी ही त्रुटी येते. परंतु RC Book मिळाल्यावर त्रुटीची पूर्तता होते. ही त्रुटी कर्जदारांसंदर्भात आहेत. बाकी त्रुटी ह्या अशाच स्वस्माच्या आहेत. कालावधीच्या फरकामुळे सर्व बँकांमध्ये अशा प्रकारच्या त्रुटी येतात. यात कुठल्याही प्रकारची गंभीर त्रुटी नाही.

पुढील ठराव मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षांनी मा. संचालक अॅड. सुरेश पटवर्धन यांना सांगितले.

**विषय: संचालक मंडळाने सुचवलेल्या सन 2021-22 नफा वाटणीस व महोत्सव निधीच्या विनियोगास मंजूरी देणे.**

मा. संचालक अॅड. सुरेश पटवर्धन यांनी विषयाच्या सुखातीस बँकेचे वैधानिक लेखापरीक्षक श्री. जयवंत वैशंपायन व त्यांचे सहकारी श्री. भाबे यांचे स्वागत केले.

मुख्य अंतर्गत लेखापरीक्षक श्री. धनंजय गोखले व त्यांचे सहकारी यांचे ही स्वागत केले. DNS बँकेचे भूतपूर्व अध्यक्ष श्री. उदय कर्वे, DNS बँकेच्या विद्यमान संचालिका, सौ. मेघना आंबेकर व प्रतिथयश लेखापरीक्षक, श्री. सुहास आंबेकर यांचेही स्वागत केले.

नफा वाटणी बरोबरच महोत्सव निधीचा विनियोग करण्याचा व धर्मादाय निधी वाटपाचे अधिकार संचालक मंडळास देणे हा विषय सभेपुढे मांडला. दि. 23.12.1997 ते दि. 23.12.1998 या कालावधीत बँकेचा रौप्य महोत्सव भव्य प्रमाणात साजरा करण्यात आला. विविध कार्यक्रम आयोजित केले होते. महनीय व्यक्तींच्या हस्ते उद्घाटन व समारोपाचा कार्यक्रम केला. यात सहकार दिंडी, आर्थिक विषयावर परिसंवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम,स्पर्धा यांचे आयोजन केले होते.

दि. 23.12.2022 ला बँक 50 व्या वर्षात पदार्पण करत आहे. हे "सुवर्ण महोत्सव" वर्ष दि. 23.12.2023 पर्यंत असेल. बँकेच्या नावलौकिककाला साजेसे उपक्रम वर्षभर होणार असल्याचे अॅड. पटवर्धन यांनी सांगितले. त्यासाठी रु 2.70 कोटी महोत्सव निधीची तरतूद केली आहे. यानंतर नफावाटणीची विगतवारी सभेपुढे मांडली.

7% लाभांश देण्याची शिफारस केली असल्याचे सांगितले. महोत्सव निधी विनियोग व धर्मादाय निधी वितरणाचे अधिकार संचालक मंडळास देण्याचे सभासदांना आवाहन केले.



सभासद श्री. देशमुख यांनी, बँक यापूर्वी 15% लाभांश देत होती व आता 7% देत आहे याबाबत प्रश्न केला. यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षांनी सांगितले की लाभांश हा झालेला नफा व इतर तरतूदी यानुसार दिला जातो. Distributable Profit & Dividend Payout Ratio याचा अभ्यास करून लाभांश दिला जातो.

**ठराव क्र. 4 :** सन 2021-22 या वर्षात निव्वळ नफा ₹ 19,48,89,387/- इतका झाला आहे. संचालक मंडळाने नफा वाटणीस पुढीलप्रमाणे शिफारस केली आहे. ती **मा. संचालक अॅड. सुरेश पटवर्धन** यांनी सभेसमोर मांडली. सदर नफा वाटणीस ही सभा मंजूरी देत आहे.

आपली बँक दि. 23 डिसेंबर, 2022 रोजी सुवर्ण महोत्सवी वर्षात पदार्पण करित आहे. त्या निमित्त बँक सुवर्ण महोत्सवी वर्षात विविध कार्यक्रमांचे आयोजन करणार आहे. त्याकरीता बँकेने दरवर्षीच्या नफ्यातून काही रक्कम काढून महोत्सव निधी उभारला आहे. रिझर्व्ह बँकेच्या मंजूरीनंतर महोत्सव निधीचा विनियोग करता येणार आहे. तरी महोत्सव निधीचा विनियोग करण्याबाबतचे अधिकार संचालक मंडळास देण्यास ही सभा मंजूरी देत आहे. तसेच धर्मादाय निधीचे वितरण करण्याबाबतचे अधिकार संचालक मंडळास देण्यास ही सभा मंजूरी देत आहे.

निव्वळ नफा	19,48,89,387
मागील शिल्लक	7,59,71,507
<b>एकूण</b>	<b>27,08,60,894</b>
<b>वाटणी</b>	
राखीव निधी (25%)	4,88,00,000
सर्वसाधारण मुक्त निधी (10%)	1,95,00,000
राष्ट्रीय सहकार शिक्षण निधी (1%)	19,00,000
गुंतवणूक वध घट निधी	50,00,000
लाभांश (2020-21) *	7,57,26,531
धर्मादाय निधी (1%)	19,00,000
सभासद कल्याण निधी	10,00,000
महोत्सव निधी	40,00,000
कर्मचारी सानुग्रह निधी	1,25,00,000
निवडणूक निधी	10,00,000
शैक्षणिक निधी	1,00,000
बुडीत व संशयित कर्ज निधी	2,79,00,000
पुढील वर्षासाठी शिल्लक	7,15,34,363
<b>एकूण</b>	<b>27,08,60,894</b>

सूचक : श्री. रघुनाथ निळकंठ काळे सभासद क्र. 2496  
 अनुमोदक : श्री. प्रकाश प्रभाकर जोशी सभासद क्र. 25107  
 ठराव सर्वानुमते मंजूर.

श्री. अरुण शिंपी यांनी राखीव निधी संदर्भात विचारले की राखीव निधी या वर्षी रु 4.88 कोटी इतका आहे व मागील वर्षी तो रु 4.86 कोटी इतका होता हा राखीव निधी कधीपासून आहे ?

अजूनही काही सभासदांनी या संदर्भात प्रश्न विचारले. यावर मा. अध्यक्षांनी सांगितले की नियमाप्रमाणे नफ्याच्या 25% रक्कमेची राखीव निधी म्हणून दरवर्षी तरतूद करावी लागते. सर्व बँकांना ही तरतूद बंधनकारक आहे. हा निधी बँक अस्तित्वात आहे तोपर्यंत वापरता येत नाही. बँक जर Liquidation मध्ये गेली तरी पूर्वपरवानगीशिवाय हा निधी वापरता येत नाही.

यानंतर श्री. शिंपी यांनी बुडीत व संशयित कर्ज निधी मागील वर्षी रु 13.00 कोटीवरून यावर्षी रु 2.79 कोटी इतका केल्याबद्दल बँकेस धन्यवाद दिले.

पुढील ठराव मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षांनी मा. संचालिका डॉ. वैदेही दफ्तरदार यांना सांगितले.

**विषय : सन 2022-23 साठी वैधानिक लेखापरीक्षकांची नेमणूक करणे.**

सन 2020-21 साठी वैधानिक लेखापरीक्षण करणेकरिता तपासनीसांची नेमणूक करण्याबाबतचा विषय **मा. संचालिका डॉ. वैदेही दफ्तरदार** यांनी सभेपुढे मांडला. रिझर्व्ह बँकेने दि. 27.04.2021 रोजी नागरी सहकारी बँकांना वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या नेमणूकीकरिता मार्गदर्शक परिपत्रक जारी केले आहे. सदर परिपत्रकानुसार वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या नेमणूकीस RBI ची पूर्व परवानगी घेणे आवश्यक आहे. त्यानुसार आपल्या बँकेचे असेट साईजला लागू असलेले आवश्यक निकष पूर्ण करित असलेल्या आठ लेखा परिक्षकांकडून, वैधानिक लेखापरीक्षणाकरिता अर्ज प्राप्त झाले होते. सदर प्राप्त लेखापरीक्षकांच्या अर्जांचे मूल्यमापन करुन त्याचा सविस्तर अहवाल ऑडीट कमिटी व संचालक मंडळ सभेपुढे सादर केला होता. रिझर्व्ह बँकेच्या सूचनेनुसार दोन लेखापरीक्षकांची नावे प्राधान्यक्रमाने, रिझर्व्ह बँकेस प्रस्ताव पाठवतांना द्यायची आहेत. सदर मूल्यमापनानुसार संचालक मंडळाने प्रथम प्राधान्य म्हणून "मे. प्रकाश जी. पाठक अँड कंपनी" यांची सन 2022-23 चे वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून नेमणूक करण्यास, RBI कडे पूर्व परवानगीकरिता प्रस्ताव सादर केला. "मे. प्रकाश जी. पाठक अँड कंपनी" यांनी वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून काम करण्यास संमती दर्शविली आहे.

सदर प्रस्तावास, दि. 15.06.2022 रोजीच्या पत्रानुसार, रिझर्व्ह बँकेकडून "मे. प्रकाश जी. पाठक अँड कंपनी" यांस सन 2022-23 करिता वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून नेमणूक करण्यास पूर्व परवानगी प्राप्त झाली आहे. त्यास अनुसरून बहुराज्यीय सहकारी संस्था कायदा, 2002 च्या कलम 70 नुसार, रिझर्व्ह बँकेकडून पूर्व परवानगी प्राप्त झाल्याने "मे. प्रकाश जी. पाठक अँड कंपनी" यांची सन 2022-23 करिता वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून नेमणूक करण्याचा प्रस्ताव आज रोजीच्या वार्षिक सर्वसाधारण सभेसमोर सादर करित आहे, त्यास मंजुरी द्यावी.

**ठराव क्र. 5:** मल्टीस्टेट सहकारी कायदा 2002 च्या कलम 70 आणि सध्या लागू असलेल्या इतर तरतुदीनुसार सन 2022-23 साठी वैधानिक लेखापरीक्षण करणेकरिता, या वर्षाच्या वार्षिक सर्वसाधारण सभेपासून पुढील वार्षिक सर्वसाधारण सभेपर्यंत वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून मे. प्रकाश जी. पाठक अँड कंपनी यांची नेमणूक करण्यात यावी अशी शिफारस संचालक मंडळाने केली आहे. **मा. संचालिका डॉ. वैदेही दफ्तरदार** यांनी सभेसमोर प्रस्ताव मांडला. मे. प्रकाश जी. पाठक अँड कंपनी यांनी त्यांच्या नेमणूकीस मान्यता कळविली आहे. बँकिंग नियामक कायदा, 1949 मधिल दुरुस्तीनुसार, भारतीय रिझर्व्ह बँकेने दि. 15.06.2022 रोजीच्या पत्राद्वारे त्यांच्या नेमणूकीस ना हरकत दिली आहे. त्यानुसार मे. प्रकाश जी. पाठक अँड कंपनी यांची सन 2022-23 करिता

वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून नेमणूक करण्यात येत आहे. तसेच नियमानुसार त्यांचा मेहेनताना ठरविण्याचे अधिकार संचालक मंडळास देत आहे.

सूचक : श्री. रविंद्र दत्तात्रेय ताम्हणकर सभासद क्र. 15475  
अनुमोदक : श्री. विश्वास मधुसूदन जोशी सभासद क्र. 47019  
ठराव सर्वानुमते मंजूर.

पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षांनी मा. संचालक श्री. पंकज दांडेकर यांना सांगितले.

**विषय :** संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांना दिलेल्या कर्जाची नोंद घेणे.

सुखातीपासून बँकेने आपल्या संचालकांना कोणत्याही प्रकारचे कर्ज न देण्याचा तसेच जामिनदार म्हणून न राहण्याचे बंधन घालून घेतले होते. परंतु रिझर्व्ह बँकेच्या नियमांप्रमाणे संचालकांना व त्यांचा नातेवाईकांना स्वतःच्या नावावरील मुदत ठेवी, जीवन विमा पॉलिसी, सरकारी कर्ज रोखे यांच्या तारणावर कर्ज घेता येते. बँकेच्या संचालकांनी अथवा नातेवाईकांनी कोणत्याही प्रकारचे कर्ज घेतलेले नाही असे मा. संचालक श्री. पंकज दांडेकर यांनी सांगितले त्यामुळे कोणत्याही प्रकारची थकबाकी नाही.

**ठराव क्र. 6 :** संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांना दिलेल्या कर्जाबाबतचा ठराव मा. संचालक श्री. पंकज दांडेकर यांनी सभेपुढे मांडला.

संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांनी कोणत्याही प्रकारचे कर्ज घेतले नाही. त्यामुळे त्यांची कोणत्याही प्रकारची थकबाकी नाही, याची ही सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : श्री. श्रीकांत वामन जोशी सभासद क्र. 1771  
अनुमोदक : श्री. पुरुषोत्तम राजाराम नामजोशी सभासद क्र. 23042  
ठराव सर्वानुमते मंजूर.

पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षांनी मा. संचालक श्री. शशिकांत आंधळे यांना सांगितले.

**विषय:** या सर्वसाधारण सभेस अनुपस्थित असलेल्या सर्व सभासदांची अनुपस्थिती क्षमापित करणे.

मल्टिस्टेट सहकारी कायदा 2002 मध्ये पात्र व अपात्र सभासदांबाबतचे निकष दिले आहेत. त्यातील एक निकष म्हणजे सलग तीन वर्षे वार्षिक सर्वसाधारण सभेस अनुपस्थित असलेले सभासद हे अपात्र सभासद ठरतात व पात्र सभासदांना मिळणा-या सवलती / लाभ त्यांना मिळू शकत नाहीत. अनुपस्थित सभासदांची अनुपस्थिती, सभेस उपस्थित असलेल्या सभासदांपैकी 2/3 सभासदांनी क्षमापित केल्यास असे सभासद या कारणामुळे अपात्र ठरत नाहीत. केवळ सभेस अनुपस्थित या कारणाने, सभासद अपात्र होऊ नये, यासाठी हा ठराव आहे. तरी अशा सभासदांची अनुपस्थिती क्षमापित करावी असा प्रस्ताव मी आपल्या समोर मांडत आहे.

**ठराव क्र. 7 :** या वार्षिक सर्वसाधारण सभेस अनुपस्थित असलेल्या सर्व सभासदांची अनुपस्थिती क्षमापित करण्याचा ठराव **मा. संचालक श्री. शशिकांत आंधळे** यांनी सभेपुढे मांडला. अनुपस्थित असलेल्या सर्व सभासदांची अनुपस्थिती ही सभा क्षमापित करित आहे.

त्यानंतर मा. अध्यक्षांनी, या विषयासंदर्भातील ठराव सभेपुढे मांडला.

सूचक : श्री. सिद्धार्थ वसंत पुराणिक सभासद क्र. 68828  
अनुमोदक : श्री. राजेंद्र नारायण तिवारे सभासद क्र. 16449  
ठराव सर्वानुमते मंजूर.

मा. अध्यक्षांनी उपाध्यक्ष मा. डॉ. रत्नाकर फाटक यांना आभार प्रदर्शन करण्याची विनंती केली.

मा. उपाध्यक्ष डॉ. रत्नाकर फाटक यांनी तज्ज्ञ संचालक सी. ए. किशोर गुजर यांची सभेस ओळख करून दिली.

सर्वप्रथम त्यांनी सर्व सभासदांचे आभार मानले. तसेच माजी संचालकांचा बँकेच्या प्रगतीत मोठा वाटा असल्याचे नमूद केले.

कोरोना काळात सर्व कर्मचा-यांनी ग्राहकांना सेवा दिली. एकही दिवस बँकेची एकही शाखा बंद नव्हती कर्मचारी युनियन व ऑफिसर्स असोसिएशनचे नेहमीच सहकार्यलाभते. सर्व ग्राहक व सभासदांनी कोरोनाकाळात बँकेस सहकार्य केले आहे.

नवरंग बँकेट हॉलचे व्यवस्थापक, ध्वनीवर्धक व्यवस्था करणारे, बँकेचा वार्षिक अहवाल सुबक छपाई करून देणारे मे. वैभव एंटरप्रायजेस यांचे आभार. वार्षिक सर्वसाधारण सभेची सूचना छपाई करणारे मे. दादाजी धाकजी इन्फोटेक प्रा. लि. यांचे आभार आणि पोस्ट खात्याने त्याचे वितरण वेळेत केले, त्यांचेही आभार. तसेच पोस्ट खात्याने राष्ट्रध्वज उपलब्ध करून दिले, त्याबद्दल धन्यवाद ! सभासदांना तिरंगा राष्ट्रध्वज द्यावा, ही सूचना करणारे बँकेचे माजी संचालक, श्री. वामनराव साठे यांना विशेष धन्यवाद दिले.

सभेची सर्व पूर्वतयारी, प्रत्यक्ष अंमलबजावणी करणारे बोर्ड डिपार्टमेंटचे अधिकारी, बँकेचे सर्व अधिकारी व कर्मचारी यांचे आभार. सहकार्यासाठी पोलिसांचे आभार.

बँकेचे सर्व सभासद ठेवीदार, खातेदार, कर्जदार यांनी बँकेवर दाखविलेल्या विश्वासाबद्दल बँक कृतज्ञ आहे.

अनवधानाने ज्यांचा उल्लेख राहिला आहे, त्या ज्ञात, अज्ञात व्यक्तींना, उपस्थित सर्वांना मनःपूर्वक धन्यवाद !

त्यानंतर मा. अध्यक्षांनी सभा संपल्याचे जाहिर केले.